विश्व रक्तदाता दिवस

पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय में विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान करने वाले चिकित्सकों एवं सीआरपीएफ बटालियन के जवानों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. अरविंद नेरल एवं अम्बेडकर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एस. बी. एस. नेताम की उपस्थिति में सर्वाधिक बार रक्तदान करने वाले चिकित्सकों, चिकित्सा छात्रों और सीआरपीएफ बटालियन के जवानों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। **इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक डॉ. अरविंद नेरल एवं अम्बेडकर अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एस. बी. एस. नेताम की उपस्थिति में सर्वाधिक बार रक्तदान करने वाले चिकित्सकों, चिकित्सा छात्रों और सीआरपीएफ बटालियन के जवानों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।**

रक्तदाता सम्मान समारोह के अवसर पर 124 बार रक्तदान कर चुके चिकित्सा महाविद्यालय के पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद नेरल ने बताया कि रक्तदान एक बेहद पुनीत कार्य है। कोई भी स्वस्थ वयस्क पुरुष तीन माह में एक बार तथा महिलाएं चार माह में एक बार रक्तदान कर सकती हैं। समय- समय पर रक्तदान कर स्वैच्छिक नियमित रक्तदाता कोई भी बन सकता है। इसके लिए आयु 18 से 65 वर्ष, हीमोग्लोबिन 12.5 ग्राम से अधिक तथा शरीर का वजन 45 किलो से कम नहीं होना चाहिए। डॉ. नेरल ने कहा कि मानव रक्त न तो किसी कारखाने में बनाए जा सकते हैं, न ही खेतों में उगाए जा सकते हैं और न ही जानवरों से प्राप्त कर सकते हैं, मानव रक्त का विकल्प केवल मानव रक्त ही है इसलिए प्रत्येक स्वस्थ्य व्यक्ति को जरूरतमंद लोगों के लिए रक्तदान अवश्य करना चाहिए।